



## जीवन-वृत्त

- नाम : रविनंदन सहाय  
उम्र : 75 वर्ष  
पता : सहाय सदन, बेली रोड, पटना  
दूरभाष -0612-2233868, 2233603  
मोबाइल-9431238362  
फैक्स -0612-2231826  
इमेल -sahayasadan@rediffmail.com
- पिता : कायस्थरत्न कृष्णनंदन सहाय  
-पूर्व सदस्य, बिहार विधान परिषद एवं बिहार विधान सभा  
-पूर्व महापौर, पटना नगर निगम  
-पूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय महापौर परिषद  
-पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कायरथ महासभा
- पितामह : श्यामनंदन सहाय  
-पूर्व सांसद (लोकसभा एवं संविधान सभा के सदस्य)  
-प्रथम कुलपति, बिहार विश्वविद्यालय, वर्ष-1952
- शिक्षा : -सिनीयर कैम्ब्रिज, सेंट जेवियर हाई स्कूल, पटना  
-स्नातक (प्रतिष्ठा), दिल्ली विश्वविद्यालय  
-डिप्लोमा इन मार्केटिंग एंड फाइनेन्सियल मैनेजमेंट, कोलकाता
- व्यावसायिक अनुभव : एसोसिएटेड पिगमेंट्स लि०, कोलकाता में वर्ष 1962 में एक्जक्युटिव ट्रेनी के रूप में योगदान एवं वर्तमान में कम्पनी के माननीय अध्यक्ष।  
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, सहाय प्रोपर्टीज एवं इन्वेस्टमेंट्स (प्रा०) लि०।
- सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठन : -अध्यक्ष, शासीनिकाय, श्यामनंदन सहाय महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर।  
-अध्यक्ष, शासीनिकाय, तिरहुत शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर  
-पूर्व अध्यक्ष, दी हंगर प्रोजेक्ट, न्यूयार्क के बिहार परिषद (स्त्री सशक्तीकरण एवं पंचायती राज से सम्बंधित एन०जी०ओ०)  
-अध्यक्ष, गजराज अस्पताल, बाघी, मुजफ्फरपुर  
-अध्यक्ष, के०एन० सहाय इन्स्टीच्युट ऑफ इनभाइरीनमेंट एंड अर्बन डिभलौपमेंट, पटना  
-महासचिव, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद, बिहार परिषद

- उपाध्यक्ष, इण्डिया-चाइना सोसाइटी, बिहार चैप्टर
- पूर्व अध्यक्ष, एग्रिकल्चर सेल, बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स
- कोषाध्यक्ष, ओइसका इण्डिया (जापान) बिहार चैप्टर
- सदस्य, मानवाधिकार संघ, बिहार
- पूर्व कार्यपालक सदस्य, बिहार उद्योग संघ, पटना
- सदस्य, भारत पुनर्वास केन्द्र, नई दिल्ली
- सदस्य, बाँकीपुर क्लब, पटना
- सदस्य, पटना गोल्फ क्लब

विदेश भ्रमण : युरोपीय, व्यावसायिक भ्रमण, गुडविल डेलिगेसन एंड टूरिज्म। खासकर, ग्रीस, जर्मनी, फ्रांस, हॉलैंड, इजिप्ट, इंगलैंड, यू0एस0ए0, कनाडा, श्रीलंका, सिंगापुर, मलेशिया, थाइलैंड, हाँगकाँग, जापान, चीन एवं साउथ कोरिया

विशेष अभिरुचि : इतिहास एवं करेन्ट एफेयर्स का अध्ययन, भारतीय शास्त्रीय संगीत, फोटोग्राफी, गोल्फ, टूरिज्म, औषधीय एवं सुगन्धित पौधों का विकास साथ ही विदेशी सब्जियों की खेती।